प्रखर सिद्धांतों पर आधारित पुणे और मुंबई से प्रकाशित एकमात्र हिंदी दैनिक

सिद्धांत समाचार

वर्ष १८ — अंक ७५ — सोमवार ३१ जुलाई २०२३ | पुणे | RNI NO.MAH HIN/2005/15277 | २ रूपए

siddhantsamachar.com | @SiddhantSamachar | facebook.com/siddhantsamachar | siddhantsamachar@gmail.com

CAYM EDUCATION TRUST'S

SIDDHANT GROUP OF INSTITUTIONS

APPROVED BY AICTE, PCI - NEW DELHI, Affiliated to Savitribai Phule Pune University, MSBTE, RECOGNISED BY GOVT.OF MAHARASHTRA

"Empowering Students to Become Future Leaders....."

Admissions Open: 2023-2024

Courses offered by Siddhant Group of Institution.

COURSES		INTAKE	DTE CODE
Siddhant College Of Engineering*	Diploma (AI&ML, Electrical, Mechanical, E&TC, Computer, Civil)	360	6149
	B. E. (Mechanical, Computer, I.T., E&TC, Civil)	360	
	M.E. (E&TC (VLSI), I T, Computer, Design Engineering)	84	
Siddhant College of Pharmacy*	B. Pharmacy.	100	PH - 6258
	M. Pharmacy.	24	MPH -6258
	Diploma Pharmacy.	60	D - 6515
	Diploma Pharmacy [Women].	60	D - 6922
Siddhant College Of Management*	M. B. A. (Master of Business Administration)	180	6134
Siddhant College Of Computer Application	M. C. A. (Master of Computer Application)	120	6240
Siddhant International School	Nursery to XII (CBSE Affiliated)	-	-
Siddhant College of Management Studies*	B. B. A. – (Bachelor of Business Administrator)	80	----
	B. B. A. [C. A.] – (Bachelor of Computer Application)	80	----
	B.A. (Bachelor of Arts)	80	
	B.Sc. (Bachelor of Science)	80	----
	B. Com (Bachelor of Commerce)	80	----
	M. Com (Master of Commerce)	60	----
	Post Graduate Diploma in Banking & Finance	60	----
	Post Graduate Diploma in Taxation	60	

* NAAC Accredited Institutes. | 100% Placement Assistance | www.siddhantinstitutes.in

For Admission Assistance please Contact following numbers:

Pharmacy :	M.B.A.:	M.C .A. :	Management Studies:	Engineering. :
Mrs. Shanan Yadav 84688 55688	Dr. Pratap Pawar 9423270598	Prof. Nitin Shrirao 9850005059	Dr. Yogesh Patil 9689493733	Prof. Bhagwat Kedar 9923906993

- Boys & Girls Hostel Facility Available in Campus
- Transport Facility Available from various locations of Pune & Pimpri -Chinchwad & Khed

Address: Chakan – Talegaon Road., Near Chakan Auto Hub, Sudumbare, Pune, 412109

परिचालन से राजस्व में वर्ष दर वर्ष आधार पर २६ फीसदी वृद्धि

सबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड के निदेशक मंडल ने शुक्रवार 28 जुलाई 2023 को आहूत अपनी बैठक में जून 30, 2023 को समाप्त तिमाही के कंपनी के नतीजों को मंजूरी दी है। कुल राजस्व वर्ष दर वर्ष आधार पर वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही में 24 फीसदी बढ़कर 4046 करोड़ रुपए जबकि वित्तीय वर्ष 23 की पहली तिमाही में यह 3263 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ वर्ष दर वर्ष आधार पर 5 फीसदी घटकर 593 करोड़ रुपए रहा जबकि वित्तीय वर्ष 23 की पहली तिमाही में यह 627 करोड़ रुपए था। औसत परिसंपत्तियों पर रिटर्न (आरओएए) वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही में 5.1 फीसदी रहा जोकि पिछले साल इसी अवधि में 7 फीसदी था औसत इक्विटी पर रिटर्न (आरओएई) वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही में 23.3 फीसदी रहा जोकि वित्तीय वर्ष 23 की पहली तिमाही में 30.8 फीसदी था। पूंजी पर्याप्तता अनुपात 22.9 फीसदी रहा जो टियर वन में 20.3 फीसदी रहा वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही में नए खातों का वाल्यूम 22 फीसदी बढ़कर 1097000 रहा जोकि वित्तीय वर्ष 23 की पहली तिमाही में 902000 था। कार्ड इन फोर्स वर्ष दर वर्ष आधार पर 21 फीसदी बढ़कर 1.73 करोड़ रहे जोकि पिछले साल इसी अवधि में 1.43 करोड़ थे। खर्च वर्ष दर वर्ष आधार पर वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही में 24 फीसदी बढ़कर 73913 करोड़ रहा जो कि वित्तीय वर्ष 23 की पहली तिमाही में 59671 करोड़ रुपए था। प्राप्तियां वर्ष दर वर्ष आधार पर वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही में 30 फीसदी बढ़कर 43271 करोड़ रुपए रही जोकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 33215 करोड़ रुपए थी। कार्ड इन फोर्स का मार्केट शेयर वित्तीयवर्ष 24 की पहली तिमाही में 19. 6 फीसदी रहा (वित्तीय वर्ष 23 की पहली तिमाही में 18.2 फीसदी था), समूचे उद्योग में खर्च व कार्ड इन फोर्स के मामले में दूसरा स्थान. कुल आय वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही में वर्ष दर वर्ष आधार पर 24 फीसदी बढकर 4046 करोड़ रुपए रहा जोकि वित्तीय वर्ष 23 की पहली तिमाही में 3263 करोड़ रुपए था। यह उपलब्धि निम्न कारकों का नतीजा रही: वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही में ब्याज आय 30 फीसदी बढ़कर 1804 करोड़ रुपए रही जोकि वित्तीय वर्ष 23 की पहली तिमाही में 1387 करोड़ रुपए थी। फीस एवं कमीशन से आय वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही में 23 फीसदी बढ़कर 1898 करोड़ रुपए रही जोकि वित्तीय वर्ष 23 की पहली तिमाही में 1538 करोड़ रुपए थी। वित्तीय लागत वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही में 85 फीसदी बढ़कर 571 करोड़ रुपये हो गयी जोकि पिछली साल इसी अवधि में 308 करोड़ रुपये रही थी। कुल परिचालन लागत वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही में 18 फीसदी बढ़कर 1960 करोड़ रुपए हो गया जो वित्तीय वर्ष 23 की पहली तिमाही में 1663 करोड़ रुपये था। क्रेडिट लागत से पहले की आय वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही में 17 फीसदी बढ़कर 1515 करोड़ रुपए हो गयी जोकि वित्तीय वर्ष 23 की पहली तिमाही में 1291 करोड़ रुपए थी। वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही में क्षति हानि व अशोध्य ऋण पर खर्च 60 फीसदी बढ़कर 719 करोड़ रुपये हो गया जोकि पिछले साल की इसी अवधि में 450 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ वर्ष दर वर्ष आधार पर 5 फीसदी घटकर 593 करोड़ रुपए रहा जबकि वित्तीय वर्ष 23 की पहली तिमाही में यह 627 करोड़ रुपए था। जून 30, 2023 को बैलेंस शीट का कुल आकार 47916 करोड़ रुपए रहा जो कि मार्च 31, 2023 को 45546 करोड़ रुपए था। सकल अग्रिम (क्रेडिट एवं प्राप्त योग्य) जून 30, 2023 को 43271 करोड़ रुपये रहा जो कि मार्च 31, 2023 को 40722 करोड़ रुपये था। नेट वर्थ जून 30, 2023 को 10496 करोड़ रुपए रहा जोकि मार्च 31, 2023 को 9902 करोड़ रुपए था। जून 30, 2023 को सकल गैर निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) सकल अग्रिम की तुलना में 2.41 फीसदी रही जोकि जून 30, 2022 में 2.24 फीसदी थी। शुद्ध गैर निष्पादित परिसंपत्तियां जून 30, 2023 को 0.89 फीसदी रहीं जोकि जून 30, 2022 को 0.79 फीसदी थी।

सिद्धांत समाचार
सोमवार ३१ जुलाई २०२३

लोकतंत्र की आधारशिला है प्रभावी प्रशासन

भारत असंख्य विविधताओं से परिपूर्ण लोकतंत्र है। चीन को पछाड़ भारत विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है, पर उसकी समस्याएं विकराल हैं, जिनका समाधान उसे अधिनायकवादी–साम्यवादी व्यवस्था से नहीं, वरन लोकतांत्रिक व्यवस्था द्वारा करना है। 73वें और 74वें संविधान संशोधन से भारत में त्रिस्तरीय संघीय व्यवस्था स्थापित की गई– स्थानीय सरकारें, राज्य सरकारें और भारत सरकार। यद्यपि संविधान में उनके काम बंटे हैं, लेकिन संकट में सभी सरकारें मिलकर उनसे निपटती हैं। समस्याएं चाहे कानून–व्यवस्था की हों, प्राकृतिक आपदाओं की या विकास संबंधी, उनसे निपटने का उत्तरदायित्व स्थानीय प्रशासन का ही होता है। अन्य अभिकरण केवल तात्कालिक सहयोग प्रदान करते हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थानीय सरकारों को संवैधानिक दर्जा भले ही 1993 में मिल गया हो, पर उन्हें अपना प्रशासनिक ढांचा बनाने का अधिकार नहीं मिला। अपने दायित्व निर्वहन हेतु वे राज्य सरकार के प्रशासनिक ढांचे पर निर्भर रहती हैं। इतना ही नहीं, शहरी क्षेत्रों की स्थानीय सरकारों को संविधान के अनुसार अभी पूरे अधिकार भी नहीं मिले हैं। स्थानीय प्रशासन की एक समस्या विभिन्न अभिकरणों और विभागों में समन्वय न होना भी है। अक्सर कोई सड़क बनती है और कुछ दिनों बाद जल निगम, बिजली, टेलीफोन या कोई अन्य विभाग उसे खोद देता है। शहर या जिले के स्तर पर कोई वरिष्ठ 'नोडल' अधिकारी होना चाहिए, जो क्षेत्रीय विकास का समन्वित माडल बना सके, जिससे विकास प्रक्रिया में विभिन्न विभाग क्रमबद्ध ढंग से अपने हिस्से की जिम्मेदारी पूरी कर सकें। राजनीतिक–प्रशासनिक कार्य–संस्कृति में एक प्रवृत्ति यह है कि स्थानीय सरकारें समस्याओं के कारण और निवारण की जिम्मेदारी राज्य सरकारों पर और राज्य सरकारें उन्हें केंद्र सरकार पर डाल देती हैं। इससे उनमें टकराव बढ़ता है और समाधान में विलंब होता है। यदि भिन्न–भिन्न दलों की सरकारें हैं तो यह समस्या और गंभीर हो जाती है। देश के अनेक क्षेत्रों में बाढ़, सूखे और शीत का रौद्र रूप प्रतिवर्ष दिखाई देता है, जो किसी गांव, कस्बे, शहर या महानगर को बुरी तरह प्रभावित करता है और जिसका दुष्परिणाम जनता को भुगतना पड़ता है। हाल में देश की राजधानी दिल्ली में बाढ़ की विभीषिका पर दिल्ली नगर निगम, दिल्ली सरकार और केंद्र के प्रतिनिधि के रूप में दिल्ली के उपराज्यपाल के मध्य विवाद इसे पुष्ट करता है। समस्याओं के कारण कुछ भी हों, निवारण तो स्थानीय प्रशासन द्वारा ही होता है। जिलाधीश से लेकर पटवारी और मेयर से लेकर पार्षद सभी जनता के प्रति उत्तरदायी होते हैं, पर दुर्भाग्य से आपदाओं को वे प्रायः 'भ्रष्टाचार के अवसर' के रूप में देखते हैं। फिर स्थानीय प्रशासन पर अनेक विकास योजनाओं के क्रियान्वयन का भार होने से वह भावी समस्याओं का पूर्वानुमान लगाने की जगह समस्याओं के प्रकट होने की प्रतीक्षा करता है और समाधान हेतु प्रतिक्रियात्मक दृष्टिकोण अपनाता है, जिसमें अधिक समय, श्रम और संसाधन लगता है तथा कार्य की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। आज समस्याओं के उत्पन्न होने पर सरकारें और राजनीतिक दल समाधान पर कम और आरोप–प्रत्यारोप पर ज्यादा ध्यान देते हैं। ऐसे में सरकार के गुण–दोष का वस्तुनिष्ठ आकलन नहीं हो पाता। अपने पूर्वाग्रह के कारण विपक्ष सरकार के अच्छे कामों की या तो अनदेखी करता है या फिर उसे बुरा सिद्ध करने की कोशिश करता है। मोदी सरकार के प्रति विपक्षी दलों का रवैया इसका ज्वलंत उदाहरण है। संविधान विपक्षी दलों को सरकार की नीतियों और कार्यों से वैचारिक असहमति और आलोचना का अधिकार देता है, पर उसके प्रत्येक काम को गलत ठहराना न केवल अनुचित है, वरन जनता में अपनी साख को नीचे गिराने जैसा भी। विगत नौ वर्षों में मोदी सरकार की कार्यशैली का विश्लेषण करने पर चार प्रमुख प्रवृत्तियां दिखाई देती हैं। प्रथम, सरकार यथास्थितिवाद से परिवर्तनवाद की ओर अग्रसर है। परिवर्तन को प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है, लेकिन यदि वह जनहित को लक्ष्य करे तो उसे जनसमर्थन मिलता है। जिस प्रकार राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर मोदी का जनसमर्थन बढ़ा है, वह प्रमाणित करता है कि लोग परिवर्तनों को पसंद कर रहे हैं। द्वितीय, सरकार 'आंशिक–परिवर्तन' की जगह 'समग्र–परिवर्तन' को लक्ष्य कर रही है। 'समग्र–परिवर्तन' के लिए सरकार के पास उसका 'ब्लूप्रिंट' होना चाहिए। ऐसा परिवर्तन श्रमसाध्य, प्रतिरोधात्मक और धीमी गति से होता है। मोदी सरकार के निर्णयों का पूर्वानुमान विपक्ष को नहीं हो पाता, क्योंकि 'समग्र–परिवर्तन' की बाधाओं को दूर करने हेतु सरकार सुविचारित, पूर्वनियोजित और गोपनीय ढंग से कदम उठाती है। तृतीय, मोदी सरकार ने अपनी पार्टी के 'ब्लूप्रिंट' को लागू करने हेतु साधन और साध्य का समन्वय किया है, पर क्या जनता इस समन्वय की स्वीकृति देगी? यह इस पर निर्भर है कि जनता साधन और साध्य में किसे महत्व देती है? गांधीजी साधनों की शुचिता और नेहरूजी साध्य को महत्व देते थे। देश में दोनों आदरणीय हैं। इसीलिए मोदी सरकार द्वारा साधन और साध्य के समन्वय को जनस्वीकृति मिल रही है। चतुर्थ, मोदी ने 'लोकल' को 'ग्लोबल' के जिस स्तर तक उठाया है, वह संपूर्ण विश्व की 'पालिटिकल–इकोनमी' को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने भारत की बेहतरीन 'इंटरनेशनल–मार्केटिंग' की है। उन्होंने इसमें 'इंडियन–डायस्पोरा' का भी सहयोग लिया है। रूस–यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस से तेल खरीदना, अनेक देशों से रूपये में द्विपक्षीय व्यापार समझौता, जी–20 की अध्यक्षता करते हुए अफ्रीकी देशों को उसमें समावेशित करना आदि बहुत बड़े निर्णय हैं, जो भारत की बढ़ती ताकत की वैश्विक स्वीकार्यता का संकेतक हैं। मोदी सरकार के फैसलों से भारत के प्रति वैश्विक आकर्षण बढ़ा है, जिससे विदेशी पर्यटकों और निवेशकों की संख्या में विपुल वृद्धि होने और अर्थव्यवस्था में मजबूती आने की संभावना है, पर देशी–विदेशी पर्यटकों और निवेशकों की सुरक्षा एवं सुविधा को लेकर स्थानीय प्रशासन की चुनौतियां भी बढ़ेंगी। इसलिए हर छोटे–बड़े शहर और गांव में स्थानीय प्रशासन को भविष्य की संभावनाओं और चुनौतियों के लिए अभी से 'प्रोएक्टिवली' योजना बनाकर उनका क्रियान्वयन करना पड़ेगा, जिससे 2047 में भारतीय लोकतंत्र की गौरवशाली छवि स्थापित करने का प्रयास सार्थक हो सके। इसके लिए पूरे देश में स्थानीय प्रशासन को दक्ष, प्रभावशाली और मितव्ययी बनाना होगा।

मंदिर के सच से मुंह मोड़ने की कोशिश

ज्ञानवापी मस्जिद का मामला एक बार सतह पर और अदालतों के समक्ष है। पिछले वर्ष ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वेक्षण के उपरांत उसके परिसर में पाए गए विशाल प्राचीन शिवलिंग और सनातन धर्म के अन्य प्रतीकचिन्हों ने विवाद को गहरा दिया था। मुस्लिम पक्ष उस शिवलिंग को फव्वारा बता रहा था तो हिंदू पक्ष उसे अपना वह प्राचीन शिवलिंग, जिसे मुगल आक्रांता औरंगजेब द्वारा मंदिर ध्वंस कर वहां मस्जिद निर्माण के बाद परिसर में ही वजू खाने के रूप में परिवर्तित कर दिया गया था। शिवलिंग वाले उस स्थान को तालाबनुमा बनाकर उसमें मुसलमान नमाज पढ़ने से पूर्व वजू करते थे। मंदिर ध्वंस और मस्जिद निर्माण के बाद से ही उसके बाहर विशाल नंदी का मुंह मस्जिद परिसर में स्थित उस वजूखाने की सीध में हो गया। नंदी शिव की उपस्थिति का शाश्वत प्रतीक है। जहां नंदी होगा, वहां शिवलिंग अवश्य होगा। यह सनातन सत्य है। सभी लोगों का ध्यान मंदिर अथवा मस्जिद की ऐतिहासिक प्राचीनता की ओर गया। इस नंदी की स्थापना कब हुई? आदि विश्वेश्वर की स्थापना कब हुई? कितना पुराना है इतिहास विश्वनाथ मंदिर का? मस्जिद कब बनी? आदि प्रश्न स्वाभाविक थे। मस्जिद का इतिहास तो था, परंतु मंदिर का प्राचीन इतिहास खोजने में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ा। अखंड भारत भर में स्थित अनेक प्राचीनतम मंदिरों का अपना एक इतिहास रहा है। हमारे देश में पाठ्यक्रमों के माध्यम से इस प्राचीन इतिहास को न पढ़ाया जाना भारत के वास्तविक इतिहास से मुंह चुराना है। यह उदासीनता ही मुगलों के आक्रमणों के बाद स्वतंत्र भारत में विवादों का कारण बनी। किसी भी भूखंड का इतिहास उसकी राजनीतिक गलतियों या मूर्खताओं से निर्मित नहीं होता, बल्कि उसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से तय होता है। विश्वनाथ मंदिर का इतिहास कितना पुराना है? अब जिसके नाम में ही आदि विश्वेश्वर लगा है, उसकी प्राचीनता आज के हम लोग क्या बता पाएंगे? ज्ञात इतिहास के आदि तक जाने का मन हुआ तो आदि शंकराचार्य याद आए। शंकराचार्य का जन्म ईसा पूर्व 507 में केरल में हुआ था। उस समय युधिष्ठिर संवत् प्रचलन में था और वह युधिष्ठिर संवत् 2631 की वैशाख शुक्ल पंचमी की तिथि थी। यहां पर वामपंथी इतिहासकारों का वह झूठा लेखन स्वयं निरस्त हो जाता है, जिनका इतिहास बोध ईसा पूर्व जाने से कतराता रहा है और जिन्होंने आदि शंकराचार्य के जन्म काल का गलत तरीके से निर्धारण किया। आदि शंकराचार्य बहुत कम उम्र में ही गुरु से दीक्षा लेकर काशी आ गए थे। काशी में उन्होंने गंगा स्नान के बाद अपने कमंडल में भरे गंगा जल से भगवान विश्वेश्वर का अभिषेक किया। यह युधिष्ठिर संवत् 2643 चौत्र शुक्ल त्रयोदशी की तिथि थी। आदि शंकराचार्य की उम्र उस समय तक 12 वर्ष हो चुकी थी। काशी में रहते हुए आदि शंकराचार्य को भगवान विश्वनाथ ने चांडाल के रूप में दर्शन दिए और तत्व का बोध कराया। आदि शंकराचार्य से संबंधित प्राचीन ग्रंथों में भी उल्लेख मिलता है कि भगवान शिव को साक्षात सम्मुख देख अकस्मात उनके मुंह से उनकी भावपूर्ण स्तुति में जो मंत्र निकले, वे आज भी ''मनीषा पंचक'' नाम से लोकप्रिय हैं। ''काशी प्रांत विहारिणी विजयते गंगा मनोहारिणी'' जैसे सुंदर पदों वाले गंगाष्टकम् की रचना भी दशाश्वमेध घाट पर रहते हुए आदि शंकराचार्य ने की थी। यहां आदि शंकराचार्य के इस उदाहरण से मात्र इस बात की ओर संकेत भर करना है कि जब धरती पर इस्लाम का जन्म भी नहीं हुआ था, तब से बहुत पहले का इतिहास है काशी विश्वनाथ का। स्कंद पुराण के काशी खंड के 34वें अध्याय में विश्वेश्वर और ज्ञानवापी का वर्णन मिलता है। काशी और देश के अन्य हिस्सों की तरह कश्मीर भी सनातन धर्म और शैव दर्शन का एक बड़ा केंद्र रहा है। वहां के अनेक प्राचीन मंदिर अपनी अलौकिकता की कहानी समेटे हुए हैं। अध्यात्म का शिखर क्षेत्र हैं यहां के मंदिर। यहां मां शारदा का मंदिर है। मान्यता है कि इसकी स्थापना स्वयं ब्रह्मा जी ने की थी। इसी शारदा मंदिर में आदि शंकराचार्य ने मां वाग्देवी के दर्शन किए। यहां '' नमस्ते शारदा देवी कश्मीरपुर वासिनी'' की गूंज घाटियों और चोटियों को आज भी ऊर्जा संपूरित करती है। रामेश्वरम्, कन्याकुमारी, पद्मनाभ आदि दक्षिण भारत के अनेक मंदिरों समेत देश के अन्य कई मंदिरों का भी अपना प्राचीन इतिहास है। इस इतिहास को संजोने और जानने की आवश्यकता है। मंदिरों के ध्वंसावशेषों पर निर्मित ज्ञानवापी जैसी मस्जिदों का इतिहास किसी से छिपा नहीं है, लेकिन उसे जानबूझकर छिपाने की चेष्टा की जा रही है और सत्य से मुंह मोड़ा जा रहा है। वास्तव में इसी के तहत यह कोशिश की जा रही है कि काशी विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी मस्जिद का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यानी एएसआइ की ओर से सर्वे न किया जा सके। ज्ञानवापी संस्कृत का शब्द है। विश्वनाथ परिसर में ज्ञानवापी नामक मस्जिद नंदी के बगल में स्थित है। विश्व इतिहास में किसी मस्जिद का नामकरण संस्कृत शब्द के साथ नहीं मिलता। फिर नंदी और काशी विश्वनाथ के इतिहास को लेकर विवाद कैसा? काशी में विश्वनाथ जी ज्योतिर्लिंग हैं, जो अनादि हैं। उनका प्राकट्य कब हुआ, कोई नहीं बता सकता। इतिहास लेखन से बहुत पहले की घटना है। उसे मंदिर का रूप देकर सनातन धर्मी सदियों से वहां भगवान विश्वनाथ की पूजा– अर्चना करते रहे हैं। हिंदुओं की आस्था का प्राचीनतम केंद्र रहा है काशी विश्वनाथ। ऋचाओं से अभिमंत्रित अविमुक्त क्षेत्र है यह। जितना आवश्यक यह है कि ज्ञानवापी का सच सामने आए, उतना ही यह भी कि सभी प्राचीन मंदिरों के इतिहास को संरक्षित किया जाए और और आवश्यकता पड़ने पर उनका पुनर्लेखन भी किया जाए।

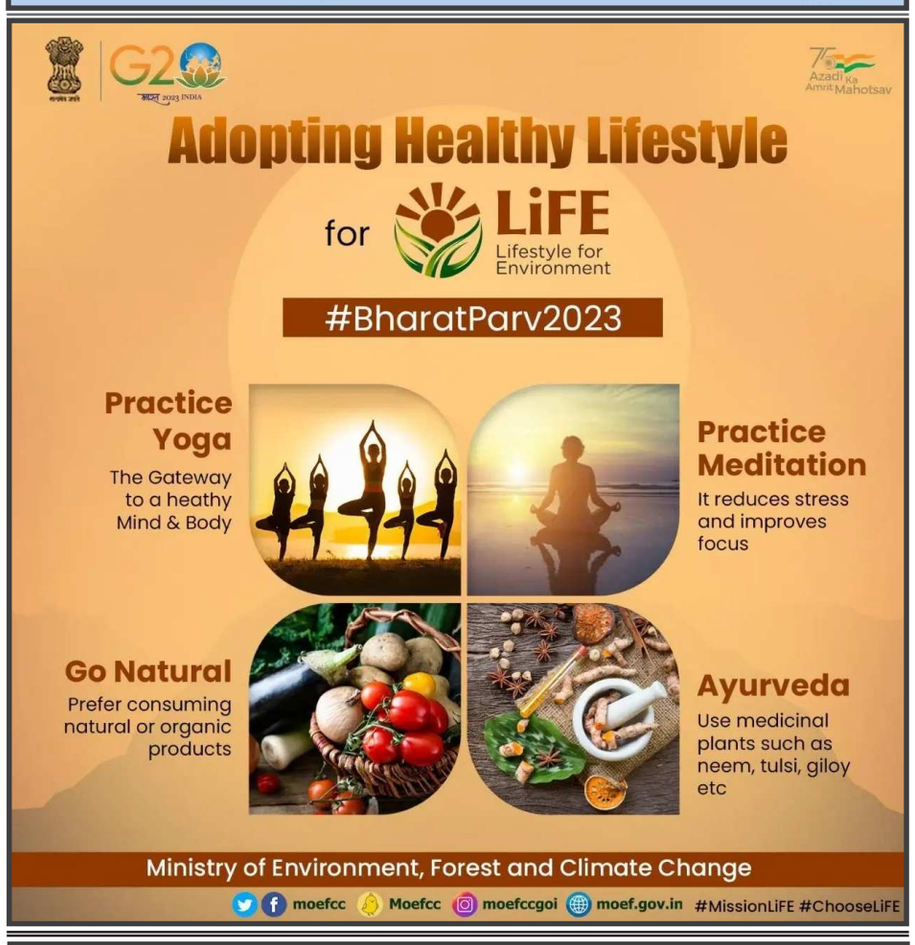

SEAHAWK
TRANSPORT REINVENTED
Attach you Cab/Coach with Leading Transport company

• Attractive Payment
• Flexible Business Hours
• Maximum trips/Routes
For more details contact 9999292972/9582214702
Mail-customercaremumbai@seahawk.in
Website-www.seahawk.in

यह समाचार पत्र प्रकाशक, मुद्रक, मालिक व संपादक : श्री राजेंद्र सिंह यादव द्वारा, सिद्धांत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सुदंबरे, चाकन – तलेगांव रोड, पुणे – ४१२१०६ से प्रकाशित किया जाता है।
RNI NO.MAH HIN/2005/15277
www.siddhantsamachar.com / E-mail : siddhantsamacharpune@gmail.com / Phone : 9 8707 99 813
इस अखबार में छपी सभी खबरों के लिए संपादक सहमत है ऐसा नहीं। न्यायालयीन विवाद के लिए कार्यक्षेत्र पुणे रहेगा।

सिद्धांत समाचार

सोमवार ३१ जुलाई २०२३

प्रधानमंत्री मोदी दगडूशेठ गणपति मंदिर में दर्शन और पूजा–अर्चना के बाद पुणे को देंगे बड़ी सौगातें

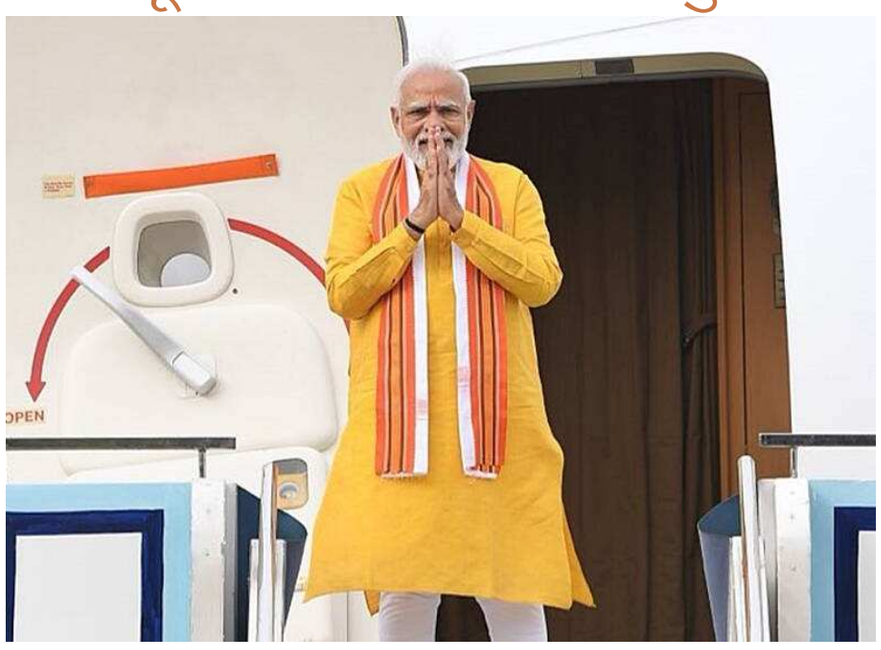

पुणे – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार (1 अगस्त) को महाराष्ट्र के पुणे जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान पीएम मोदी शहर की नई मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे और विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। उनके कार्यक्रम की शुरुआत प्रसिद्ध दगडूशेठ गणपती मंदिर के दर्शन के साथ होगी। इस दौरे पर प्रधानमंत्री को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने पीएम मोदी के पुणे दौरे का शेड्यूल जारी किया है। इसके मुताबिक, प्रधानमंत्री सुबह लगभग 11 बजे पुणे के बुधवार पेठ में स्थित दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर में दर्शन और पूजा–अर्चना करेंगे। सुबह 11:45 बजे उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12:45 बजे पीएम मोदी मेट्रो ट्रेनों को झंडी दिखाएंगे और विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। पीएम मोदी पुणे मेट्रो के पहले चरण के दो कॉरीडोर के पूर्ण हो चुके खंडों पर मेट्रो सेवाओं का हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन करेंगे। ये खंड फुगेवाड़ी स्टेशन से सिविल कोर्ट स्टेशन और गरवारे कॉलेज स्टेशन से रूबी हॉल क्लिनिक स्टेशन तक हैं। प्रधानमंत्री ने 2016 में इस परियोजना की आधारशिला रखी थी। इससे पुणे शहर के महत्वपूर्ण स्थान– शिवाजी नगर, सिविल कोर्ट, पुणे नगर निगम कार्यालय, पुणे आरटीओ और पुणे रेलवे स्टेशन जुड़ जाएंगे। जबकि सिविल कोर्ट मेट्रो स्टेशन देश के सबसे गहरे मेट्रो स्टेशनों में से एक है, जिसमें 33.1 मीटर का सबसे गहरा पॉइंट है। स्टेशन की छत को इस तरह से बनाया गया है कि सीधी धूप प्लेटफॉर्म पर पड़े। प्रधानमंत्री मोदी पिंपरी चिंचवड नगर निगम के तहत अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन करेंगे। लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत से बने इस संयंत्र में अपशिष्ट से बिजली का उत्पादन किया जायेगा. जिसमें सालाना लगभग 2.5 लाख मीट्रिक टन अपशिष्ट का उपयोग होगा। सभी के लिए आवास अर्जित करने के मिशन की दिशा में आगे बढ़ते हुए, प्रधानमंत्री पीसीएमसी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित 1280 से अधिक घरों को सुपुर्द करेंगे। वह पुणे नगर निगम द्वारा निर्मित 2650 से अधिक पीएमएवाई घरों को भी सुपुर्द करेंगे। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री पीसीएमसी द्वारा निर्मित किए जाने वाले लगभग 1190 पीएमएवाई घरों और पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित 6400 से अधिक घरों की आधारशिला भी रखेंगे। प्रधानमंत्री मोदी को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। लोकमान्य तिलक की विरासत का सम्मान करने के लिए 1983 में तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट द्वारा इस पुरस्कार का गठन किया गया था। यह पुरस्कार उन लोगों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने राष्ट्र की प्रगति और विकास के लिए काम किया है और जिनके योगदान को केवल उल्लेखनीय और असाधारण के रूप में देखा जा सकता है। यह प्रत्येक वर्ष 1 अगस्त को लोकमान्य तिलक की पुण्यतिथि पर प्रदान किया जाता है। पीएम मोदी मोदी से पहले यह पुरस्कार पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा और प्रणब मुखर्जी, पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी, इंदिरा गांधी और मनमोहन सिंह के अलावा मशहूर व्यवसायी एनआर नारायणमूर्ति तथा 'मेट्रो मैन' ई श्रीधरन जैसे 40 दिग्गजों को नवाजा जा चुका है।

नीरा देवघर बांध में कार गिरने से ३ लोगों की मौत

पुणे – पुणे में शनिवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया. पुणे से वरंधा घाट होते हुए कोंकण जाते समय एक बलेनो कार अपना नियंत्रण खो बैठी और वह नीरा देवघर बांध के पानी में जा गिरी, जिसके बाद हादसे में तीन लोगों की डूबने की वजह से मौत हो गई. जबकि एक की जान बचा ली गई. अहम बात यह है कि लगातार बारिश की वजह से स्थानीय प्रशासन की ओर से इस रास्ते से जाने को लेकर रोक लगाई गई थी, ऐसे में सवाल उठता है कि प्रतिबंध के बावजूद यह कार कैसे आगे निकल आई. दरअसल, पुणे रावेत से चार लोग घूमने के लिए भोर तालुका के नीरा देवघर बांध रोड से होते हुए महाड की ओर जा रहे थे, लेकिन इसी बीच घने कोहरे और लगातार हो रही बारिश के कारण आगे का रास्ता बाधित हो गया. इसी मोड़ पर कार कुछ फीट की ऊंचाई से सीधे बांध के पानी में जा गिरी. घटना की जानकारी सह्याद्री रिक्रूट फोर्स को मिली और तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया. भोईराज जल आपदा प्रबंधन की मदद से पुलिस ने दो शव बरामद कर लिए हैं जबकि 1 मृत व्यक्ति की तलाश अभी भी जारी है. हादसे में चौथे व्यक्ति को जिंदा बचा लिया गया है. बताया जा रहा है कि कार में 4 लोग सवार थे, जिसमें 3 पुरुष और एक महिला शामिल थी. संभावना जताई जा रही है कि हादसे के शिकार लोग पुणे के रावेत इलाके के रहने वाले थे. वरंधा घाट से भोर होते हुए रायगढ़ के महाड तक राज्य राजमार्ग पर करीब 20 किलोमीटर तक लंबी पहाड़ी सड़क है. और बारिश के सीजन में यह रास्ता काफी खतरनाक हो जाता है. हादसे के कारणों की जांच की जा रही है कि आखिर रोक के बावजूद यह कार कैसे आगे निकल गई. दूसरी ओर, मुंबई–पुणे एक्सप्रेस–वे पर कामशेत सुरंग के पास भूस्खलन की वजह से रास्ता बाधित हो गया था, जिसे स्थानीय प्रशासन की मदद से गुरुवार देर रात तक मलबा हटा दिया गया, हालांकि मुंबई की ओर जाने वाली 3 लेन में से एक लेन को बंद रखा गया है. गुरुवार रात करीब आठ बजे भूस्खलन की वजह से एक्सप्रेस–वे पर मुंबई की ओर जाने वाला रास्ता प्रभावित हो गया था.

दो आतंकवादियों को आर्थिक मदद करने वाले को महाराष्ट्र एटीएस ने किया गिरफ्तार

पुणे – पुणे के कोथरूड परिसर से गिरफ्तार किए गए दो आतंकवादियों को कोंढवा में आश्रय देने के लिए आर्थिक मदद करने वाले एक को रत्नागिरी से महाराष्ट्र एटीएस ने गिरफ्तार किया है. आतंकी कार्रवाई में शामिल होने के आरोप में पुणे पुलिस ने 18 जुलाई को दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया था. इसके बाद महाराष्ट्र एटीएस ने अब यह कार्रवाई की है. पुणे पुलिस ने 18 जुलाई की सुबह कोथरूड परिसर से मोहम्मद यूनुस मोहम्मद याकूब साकी (उम्र –24), मोहम्मद इमरान मोहम्मद युसूफ खान (उम्र–23, फिलहाल दोनों नि. चेतना गार्डन, मीठा नगर, कोंढवा, मूल नि. रतलाम, मध्य प्रदेश) को पकड़ा था. जबकि मोहम्मद शाहनवाज आलम (उम्र 31) फरार हो गया था. आरोपियों को पुणे आने के बाद आश्रय देने में उसकी मदद करने वाले आरोपी को महाराष्ट्र एंटी टेररिज्म स्क्वाड ने बुधवार 26 जुलाई को गिरफ्तार किया है. उसे कोर्ट में पेश किया गया तो कोर्ट ने उसे पुलिस कस्टडी में भेज दिया है. पुणे से पकड़े गए आरोपियों को आश्रय देने में मदद करने वाले आरोपी को आर्थिक मदद करने वाले को महाराष्ट्र एटीएस ढूंढ रही थी. इसी दौरान एटीएस ने रत्नागिरी से एक को पूछताछ के लिए बुलाया था. पूछताछ के दौरान उसके अपराध में शामिल होने की बात सामने आने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया. साथ ही मामले की जांच करने दूसरे राज्य गई पुलिस टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को पूछताछ के लिए हाजिर होने का नोटिस भेजा गया है. उसके आने के बाद उसकी इस मामले में सहभागिता को लेकर पूछताछ की जाएगी. गिरफ्तार किए गए आरोपियों के फरार साथी और फरारी की अवधि में उसकी मदद करने वाली की तलाश महाराष्ट्र एटीएस कर रही है.

विधानसभा में विधायक महेश लांडगे ने उठाया 14 वर्षों से बंद पवना पाइपलाइन प्रोजेक्ट का मुद्दा

पिंपरी – पवना डैम से पिंपरी–चिंचवड़ शहर तक सीधे पानी पहुंचाने वाले बंद पाइपलाइन के प्रोजेक्ट का मुद्दा बीजेपी विधायक महेश लांडगे ने विधानसभा में उठाया. उन्होंने 14 वर्षों से बंद इस प्रोजेक्ट को 'यथावत' रखने का आदेश रद्द कर इसे कार्यान्वित कर शहर के पानी का मसला हल करने की दिशा में कदम उठाने की मांग की. मानसून सत्र के दौरान विधायक लांडगे ने सदन में औचित्य का मुद्दा उठाया. उन्होंने कहा कि, उक्त प्रोजेक्ट पिछले 14 वर्षों से रुका हुआ है. इससे पिंपरी–चिंचवड़ मनपा को करीब 170 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. यदि यह प्रोजेक्ट पूरा होता है, तो पिंपरीचिंचव ड शहर का 2031 तक का पानी का मसला हल हो जायेगा. उन्होंने कहा कि, औद्योगिक उपयोग के लिए बांध से एमआईडीसी को लगभग 100 एमएलडी पानी की सप्लाई की जाती है. नई औद्योगिक नीति के अनुसार, शहर के गंदे पानी पर प्रोसेस कर उसे औद्योगिक उपयोग के लिए अनिवार्य किया जाना चाहिए. इससे पिंपरी–चिंचवड़ के नागरिकों को पीने का 100 एमएलडी अतिरिक्त पानी उपलब्ध होगा और प्रोसेस किये हुए पानी का भी उपयोग किया जाएगा. विधायक लांडगे ने सदन को यह भी बताया कि, इस संबंध में ठोस निर्णय लिये जाने की उम्मीद है. खास बात यह है कि, पिंपरी–चिंचवड़ शहर की बढ़ती आबादी को देखते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अगले 50 वर्षों को ध्यान में रखते हुए नए जल स्रोत (वाटर सोर्स) पैदा करने को लेकर सकारात्मक रुख अपनाया. इसलिए, आंद्रा और भामा आसखेड़ प्रोजेक्ट्स से 267 एमएलडी पानी उपलब्ध कराने को बढ़ावा मिला. लांडगे ने कहा कि शहर में 100 एमएलडी पानी आ चुका है. हालांकि, दूसरे चरण के काम में तेजी लाने की जरूरत है. पवना बंद पाइपलाइन प्रोजेक्ट को क्रियान्वित करने के लिए राज्य सरकार, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और स्थानीय स्व–सरकारी निकायों के अधिकारियों की तत्काल बैठक आयोजित की जानी चाहिए. साथ ही तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए इसे यथावत रखने के आदेश को रद्द किया जाए और प्रोजेक्ट का काम शुरू किया जाए. इससे करीब 48 एमएलडी पानी मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा. साथ ही पिंपरी–चिंचवड़ शहर को नियमित जलापूर्ति करने में भी सहूलियत होगी. इस संबंध में सदन में मांग की गयी है. विधायक ने कहा, राज्य सरकार की पहल पर यह प्रोजेक्ट जल्द शुरू होने की उम्मीद है. इस प्रोजेक्ट के जरिए पवना बांध से सीधे पिंपरी–चिंचवड़ शहर तक पानी लाने की योजना बनाई गई है. इससे वॉटर लीकेज न होकर सीधे वॉटर प्यूरिफिकेशन प्लांट में पानी लाया जा सकेगा. फिलहाल शहर में अल्टरनेट डेज पानी की सप्लाई की जा रही है. यह प्रोजेक्ट पूर्ण होने पर शहर की पानी की समस्या हल होने में मदद मिलेगी.

मकोका मामले में फरार आरोपी को सिंहगढ़ रोड पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुणे – मकोका मामले में फरार आरोपी को सिंहगढ़ रोड पुलिस ने जाल बिछाकर गिरफ्तार कर लिया है. मकोका कानून के तहत कार्रवाई होने के बाद आरोपी फरार हो गया था. पुलिस उसे ढूंढ रही थी. आखिरकार आठ महीने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है. यह कार्रवाई गुरुवार 27 जुलाई को भुमकर चौक के स्वामी नारायण मंदिर के पास की गई. गिरफ्तार आरोपी का नाम आकाश सुभाष गाडे (उम्र–25, नि. रामनगर, सिंहगढ़ रोड, पुणे) है. आरोपी के खिलाफ सिंहगढ़ रोड पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, 504, 506(2),34, आर्म्स ॲक्ट, महाराष्ट्र पुलिस कानून, क्रिमिनल अमेंडमेंट एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है. इस मामले को महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून के तहत शामिल किया गया है. मकोका अपराध के आरोपी को जांच टीम के अधिकारी और कांस्टेबल ढूंढ रहे थे. इसी दौरान पुलिस कांस्टेबल देवा चव्हाण व सागर शेडगे को जानकारी मिली कि, मकोका मामले का फरार आरोपी नर्हे के स्वामी नारायण मंदिर के पास रुका है. पुलिस ने वहां पर जाकर जाल बिछाया और आरोपी को कस्टडी में ले लिया. उससे सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने अपना अपराध कबूल कर लिया. आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए सिंहगढ़ रोड विभाग के सहायक पुलिस आयुक्त राजेंद्र गलांडे को सौंप दिया गया है. यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त रितेश कुमार, सह पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक, अपर पुलिस आयुक्त प्रवीण कुमार पाटिल, पुलिस उपायुक्त सुहेल शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त राजेंद्र गलांडे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अभय महाजन, पुलिस निरीक्षक क्राइम जयंत राजुरकर के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन निकम, गणेश मोकाशी, पुलिस उपनिरीक्षक आबा उत्तेकर, पुलिस कांस्टेबल संजय शिंदे, विकास पांडुले, विकास बांदल, देवा चव्हाण, सागर शेडगे, शिवाजी क्षीरसागर, राहुल ओलेकर, स्वप्नील मगर, दक्ष पाटिल, अमोल पाटिल, राजू वेंगरे, अविनाश कोंडे की टीम ने की है.

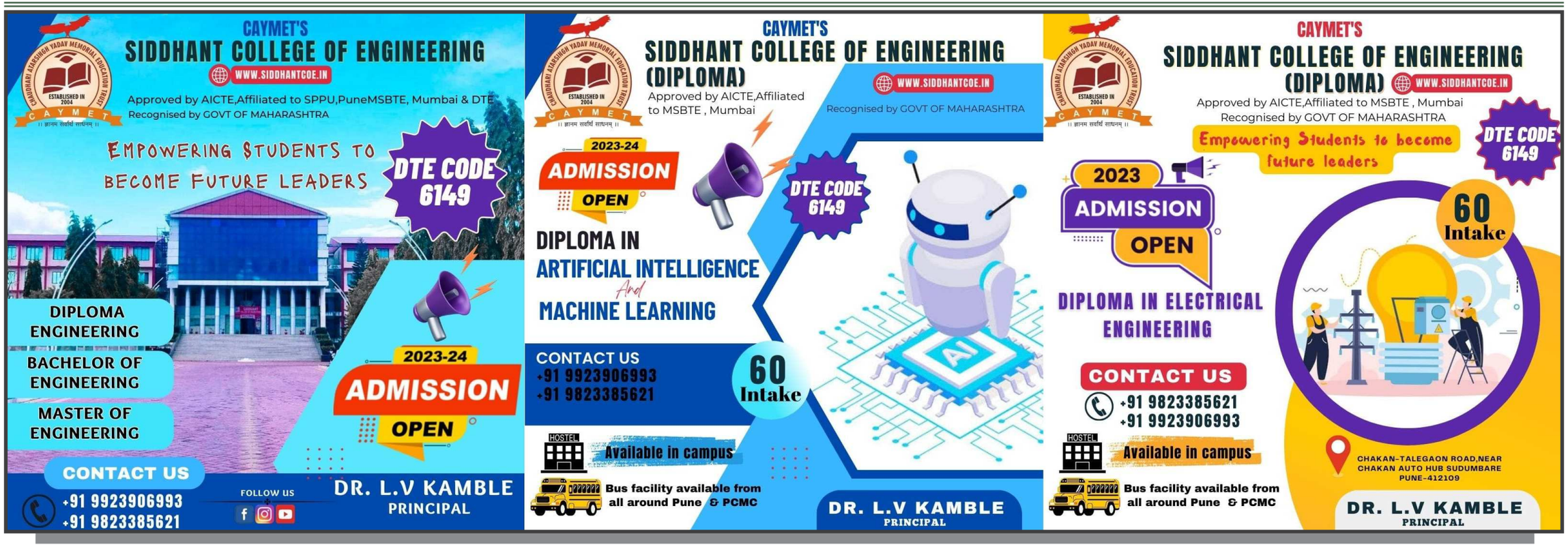

खेल-सिनेमा

लालरेमसियामी की हैट्रिक गोल से भारत ने इंग्लैंड को 3–0 से हराया

स्ट्राइकर लालरेमसियामी की हैट्रिक की मदद से भारतीय महिला टीम ने शनिवार को यहां स्पेनिश हॉकी महासंघ की सौवीं वर्षगांठ पर हो रहे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में इंग्लैंड पर 3–0 की आसान जीत दर्ज की। लालरेम्सियामी ने भारत के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच के 13वें, 17वें और 56वें मिनट में तीन गोल किए। इंग्लैंड (1–1) और स्पेन (2–2) के खिलाफ अपने पिछले दो मैच को बराबरी पर खत्म करने वाली भारतीय महिला टीम ने इस दौरे पर पहली बार जीत का स्वाद चखा। अब तक अजेय रहने के बाद, सविता की अगुवाई में भारतीय महिलाएं रविवार को टूर्नामेंट के आखिरी मैच में तालिका की शीर्ष टीम के रूप में मैदान पर उतरेंगी। मैच के पहले क्वार्टर में इंग्लैंड ने आक्रामक रवैया अपनाया लेकिन भारतीय टीम ने दबाव में आये बिना प्रभावी संरचना बनाने पर ध्यान दिया। टीम को इसका फायदा भी मिला जब नेहा ने गोल करने का प्रयास किया। उनके इस प्रयास को हालांकि इंग्लैंड की रक्षापंक्ति ने असफल कर दिया। इसके कुछ मिनट के बाद दीप ग्रेस एक्का ने मिडफील्ड में लालरेमसियामी को शानदार पास दिया जिसे इस खिलाड़ी ने तेजी से गोल में बदल दिया। इस शुरुआती गोल ने भारत को दूसरे क्वार्टर में सही गति प्रदान की। टीम ने 17वें मिनट में इस बढ़त को 2–0 कर दी। लालरेमसियामी ने सर्कल से अच्छा मूव बनाकर इंग्लैंड की रक्षापंक्ति और गोलकीपर सबी हीश को छकाते हुए मैच का अपना दूसरा गोल दाग दिया। मध्यांतर से पहले 2–0 की बढ़त ने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। टीम को इससे अलग–अलग संयोजनों पर काम करने का मौका मिला। इंग्लैंड की टीम ने भी इस क्वार्टर में कुछ मौके बनाये लेकिन भारत की रक्षापंक्ति ने सजगता से अपना काम किया। तीसरा क्वार्टर गोलरहित रहा। मैच पर अब पूरी तरह से भारतीय टीम हावी थी लेकिन इंग्लैंड गोल करने के लिए आतुर था। ऐसे में आखिरी क्वार्टर में जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। इंग्लैंड का पूरा जोर अब आक्रमण पर था जिससे उनकी रक्षापंक्ति थोड़ी कमजोर हो गयी। भारतीय टीम ने इसका फायदा उठाते हुए जवाबी हमला किया और लालरेमसियामी ने 56 मिनट में हैट्रिक गोल दाग दिया। भारतीय टीम रविवार को स्पेन का सामना करेगी।

गोवा चैलेंजर्स ने दिल्ली टीटीसी को ८–७ से हराकर इंडियन ऑयल टेनिस २०२३ के फाइनल में मारी एंट्री

शानदार फॉर्म में चल रही टी रीथ रिश्या ने निर्णायक मुकाबले में मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन श्रीजा अकुला के खिलाफ 2–1 की शानदार जीत दर्ज करके गोवा चैलेंजर्स को शुक्रवार को यहां महालुंगे–बालेवाड़ी स्थित शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जारी इंडियन ऑयल अल्टीमेट टेबल टेनिस सीजन–4 के फाइनल में पहुंचा दिया। गोवा फ्रेंचाइजी ने रोमांचक सेमीफाइनल में दबंग दिल्ली टीटीसी को 8–7 से हराकर सीजन 4 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। रीथ ने श्रीजा के खिलाफ मैच की शुरुआत में शानदार मूव्स बनाए अपने शक्तिशाली शॉट्स का इस्तेमाल करते हुए 11–4 से पहला गेम जीत लिया। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ने बेहतरीन नियंत्रण के साथ वापसी करते हुए दूसरा गेम 11–6 से जीत लिया और मैच को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। आखिरी गेम 11–8 से चेन्नई के पैडलर के पक्ष में गया। इससे पहले, साथियान ने मुकाबले के पहले मैच (पुरुष एकल) में हरमीत को 2–1 से हराकर दबंग दिल्ली टीटीसी को बेहतरीन शुरुआत दी। एशियाई खेलों के पदक विजेता शुरू से ही तेज थे और उन्होंने खेल पर हावी होने के लिए दोनों फ्लैंक का इस्तेमाल किया। हरमीत के पास हालांकि कोई मौका नहीं था क्योंकि उनका हमवतन अपना सर्वश्रेष्ठ आक्रामक प्रदर्शन कर रहा था। साथियान ने पहला गेम 11–3 से जीतकर मैच में बढ़त बना ली। दूसरे गेम में दोनों स्टार पैडलर्स के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और वे हर अंक के लिए संघर्ष करते रहे। हालांकि, अंत में साथियान ने धैर्य बनाए रखा और फोरहैंड शॉट्स के साथ 11–9 से गेम जीत लिया। हरमीत ने तीसरा गेम 11–8 से जीतकर एक बार फिर वापसी की। दूसरे मैच (महिला एकल) में सुथासिनी सावेटाबुट ने अयहिका मुखर्जी को 2–1 से हराकर चैलेंजर्स को मुकाबले में वापस ला दिया। थाई पैडलर ने पहले गेम में नियंत्रण दिखाते हुए इसे 11–5 से जीत लिया। इससे पहले अयहिका ने वापसी करते हुए अपने बेहतरीन शॉट्स के साथ अगला गेम 11–8 से अपने नाम कर लिया। निर्णायक मुकाबला एकतरफा रहा और सुथासिनी ने 11–3 से जीत दर्ज कर ली। साथियान और बारबोरा बालाजोवा ने बेहतरीन तालमेल दिखाया और हरमीत तथा सुथासिनी के खिलाफ मुकाबले का तीसरा मैच (मिश्रित युगल) 2–1 से जीतकर

दिल्ली फ्रेंचाइजी को फिर से बढ़त दिला दी। गोवा चैलेंजर्स की जोड़ी ने मैच की धमाकेदार शुरुआत की और पहला गेम 11–8 से अपने नाम कर लिया। हालांकि, साथियान और बारबोरा ने तुरंत वापसी करते हुए एक गोल्डन पॉइंट के साथ जीत हासिल की और निर्णायक गेम में भी एक गोल्डन पॉइंट हासिल किया। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अल्वारो रोबल्स ने चौथे मैच (पुरुष एकल) में जॉन पर्सन को 2–1 (6–11, 11–10, 11–7) से हराकर मैच को निर्णायक मुकाबले में पहुंचा दिया।

स्टार प्लस का 'बातें कुछ अनकही सी' होगा टेलीविजन पर अब तक का सबसे बड़ा म्यूजिकल फिक्शन शो

स्टार प्लस हमेशा असाधारण और नए कंटेंट एक्सप्लोर करने के लिए जाना जाता है। और अब बातें कुछ अनकही सी के साथ ये चैनल कुछ अलग और प्रासंगिक करने के लिए तैयार है। इस शो के साथ स्टारप्लस 30 और 40 साल के दो व्यक्तियों और अपने सपनों को पूरा करने के लिए उनकी आपस में जुड़ी यात्रा की एक नई कहानी लेकर आ रहा है और यह सवाल भी कि क्या एक निश्चित उम्र के बाद भी प्यार होना पॉसिबल है। इस शो के साथ, स्टारप्लस निर्माता राजन शाही के साथ एक नया सहयोग शुरू करेगा। राजन शाही बातें कुछ अनकहीं सी के निर्माता के रूप में जुड़ रहे हैं, और यह उनकी पहली मैच्योर कहानी होगी जो एक अद्भुत आवाज वाली लड़की के जीवन और प्यार के बारे में है, जो सभी मुश्किलों के बीच म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही है। राजन शाही ने स्टारप्लस के साथ कुछ अद्भुत परिवारिक शोज की खूबसूरत रचनाएं पेश की हैं, जिसमे अनुपमा, बिदाई, ये रिश्ते हैं प्यार के, तेरे मेरे शहर, मन की आवाज प्रतिज्ञा, और ये रिश्ता क्या कहलाता है, का नाम शामिल है, ऐसे में वे एक बार फिर से बातें कुछ अनकहीं सी के साथ नए रिकॉर्ड्स बनाने के लिए तैयार हैं। मोहित मलिक और सायली सालुंखे की स्टारर ये एक म्यूजिकल, फिक्शनल लव स्टोरी है, जो अलग–अलग बैकग्राउंड के दो मिडिल एज लोगों के इर्द–गिर्द घूमती है, जो जब मिलते हैं तो दुनिया के बारे में उनके विचार कैसे टकराते हैं और म्यूजिक उनके इस सफर में एक अहम रोल निभाता

है। वैसे स्टार प्लस, जो हमेशा से लोगों के क्वालिटी कंटेंट दिखाने के लिए जाना जाता रहा है, और समय के साथ, जो समाज में नेक विचार बन गया, इस शो के साथ वे फिर से समाज में एक नई चर्चा के लिए दरवाजे खोल रहा हैं जो लोगों को न सिर्फ लेट शादी के बारे में शिक्षित करने में मदद करेगा, बल्कि करियर पर फोकस करने में भी हेल्प करने वाला है। यह शो बड़े पैमाने पर मिलेनियल्स के दर्शकों को पसंद आएगा। राजन शाही द्वारा निर्मित 'बातें कुछ अनकही सी' 8 अगस्त से सोमवार से रविवार रात 9 बजे स्टार प्लस पर प्रसारित होगा।

CAYMET'S
SIDDHANT COLLEGE OF PHARMACY
CHAUDHARI ATARSINGH YADAV MEMORIAL EDUCATION TRUST
ESTABLISHED IN 2004
CAYMET
॥ ज्ञानम सर्वार्थ साधनम् ॥
Approved by AICTE,PCI, DTE ,Affiliated to MSBTE ,Mumbai & SPPU, Pune Recognised by GOVT OF MAHARASHTRA
NAAC ACCREDITED
WWW.SIDDHANTCOP.IN
2023-24
ADMISSION OPEN
Creating a Path of Knowledge by Unlocking Potential"
SEATS DTE CODE
D.PHARMACY 60 6515
D.PHARMACY(WOMENS) 60 6922
B.PHARMACY 100 6258
M.PHARMACY 24 6258
CONTACT US
MIHIR YADAV 9823240065
SHANAN YADAV 8468855688
CHAKAN-TALEGAON ROAD,NEAR CHAKAN AUTO HUB SUDUMBARE PUNE-412109
Bus facility available from all around Pune & PCMC
HOSTEL
Available in campus

CAYM EDUCATION TRUST'S
SIDDHANT INSTITUTE OF BUSINESS MANAGEMENT
SIDDHANT GROUP OF INSTITUTIONS
CAYMET
॥ ज्ञानम सर्वार्थ साधनम् ॥
Approved by AICTE, New Delhi, Affiliated to Savitribai Phule Pune University and Recognized by Govt. of Maharashtra
NAAC Accredited Institute
ADMISSIONS OPEN :2023-2024
Applications are invited from interested & eligible candidates for Two years full-time Post Graduate Degree Course
Master of Business Administration
{MBA)
{DTE Code: 6134)
One of the best infrastructure college in Pune & 100% Placement
Website :www.siddhantibm.in
CONTACT FOR ADMISSIONS :
Dr. Pratap Pawar- 9423270598/9359890914
Address: Chakan Talegaon Road,Near Chakan Auto Hub,Sudumbare, Pune